सेन्ट्रल जोन इंश्योरेन्स एम्पलाईज एसोसियेशन

(ए.आई.आई.ई.ए. से सम्बद्ध)

प्रभांजलि, 33, आर.डी.ए. कालोनी, टिकरापारा, रायपुर (छ.ग.)

अध्यक्ष : का. एस.आर. उर्ध्वरेषे **परिपत्र क्र. : 02/2013**

महासचिव : का. बी. सान्याल **दिनांक : 16.04.2013**

मध्यक्षेत्र के समस्त बीमा कर्मियों के नाम

प्रिय साथियों,

विषय : CZIEA कार्यकारिणी समिति का आह्वान ...

- **बीमा क्षेत्र में FDI सीमा में वृद्धि, आम बीमा क्षेत्र के राष्ट्रीयकृत उद्योग में विनिवेशीकरण के खिलाफ, आम बीमा क्षेत्र की सार्वजनिक उद्योगों के विलय की मांग को लेकर अभियान तेज करो।**
- **नवउदारवादी आर्थिक नीतियों के खिलाफ मेहनतकशों के एकरूप संघर्ष को जारी रखो।**
- **चतुर्थ क्षेत्रीय महिला सम्मेलन को सफल बनाओ।**
- **CZIEA के अष्ठम अधिवेशन को सफल बनाओ।**
- **PFI को पुनर्गठित करो।**
- **आन्दोलन की खबर, इंश्योरेन्स वर्कर की ग्राहक संख्या में वृद्धि जारी रखो।**

निर्धारित कार्यक्रमानुसार CZIEA कार्यकारिणी समिति की बैठक 14-15 अप्रेल 2013 को CZIEA के अध्यक्ष का. एस.आर. उर्ध्वरेषे की अध्यक्षता में इंदौर में सम्पन्न हुई। बैठक में सर्वप्रथम CZIEA कार्यकारिणी समिति की 15-16 जनवरी 2012 की विगत बैठक के बाद हमारे बीच अब नहीं रहे - वेनेजुएला के राष्ट्रपति का. हूगो चावेज, उत्तर कोरिया के राष्ट्रपति का. किम इंग सूल, CPI(M) केन्द्रीय कमेटी के पूर्व सदस्य का. एन. वरदराजन, स्वतंत्रता संग्राम सेनानी का. किट्टी मेनन, सीटू के राष्ट्रीय सचिव, पूर्व सांसद का. दीपंकर मुखर्जी, एस.एफ.आई. नेता का सुदीप्त गुप्त, स्वतंत्रता संग्राम सेनानी का. कैप्टन लक्ष्मी सहगल, 28 फरवरी 2012 की हड़ताल की सफलता के लिये निकले रैली में तृणमूली गुंडों के आक्रमण में मारे गये सीटू जनरल कौंसिल के सदस्य का. प्रदीप ता व का. गाइन, 20-21 फरवरी की हड़ताल के दौरान मारे गये ट्रांसपोर्ट वर्कर नेता का. सिंह, गजल गायक जगजीत सिंह, क्रिकेटर मंसूर अली खान पटौदी, फिल्म अभिनेता राजेश खन्ना, दिल्ली गैंगरेप की पीड़िता तथा पश्चिम बंगाल में तृणमूली गुंडावाहिनी के हमलों में मारे गये वाम-ट्रेड यूनियन कार्यकर्ता एवं देश, दुनिया के विभिन्न हिस्सों में विभिन्न प्राकृतिक आपदाओं, दुर्घटनाओं, बम विस्फोटों में मारे गये निरिह नागरिकों के प्रति विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित की गई।

कार्यकारिणी समिति ने विगत कार्यकारिणी बैठक तथा इस मध्य जून 2012 में रायपुर तथा जुलाई 2012 में भोपाल में हुई सचिव मंडल बैठकों के बाद से दुनिया, देश व औद्योगिक स्थितियों में हुये बदलावों की तथा उक्त बैठक में लिये गये निर्णयों के क्रियान्वयन की विस्तृत समीक्षा की।

कार्यकारिणी समिति की यह स्पष्ट समझ थी कि दुनिया के स्तर पर 2008 में प्रांभ हुये मंदी की त्रासदीपूर्ण मार से दुनिया के मेहनतकशों के अधिकारों पर हमले इस अवधि में जितने तीखे हुये हैं उसी अनुरूप इन हमलों के प्रतिकार में वैश्विक स्तर पर मेहनतकशों का प्रतिरोध भी तीव्र हुआ है। आक्यूपाई वाल स्ट्रीट के साथ-साथ ग्रीस, फ्रांस, ब्रिटेन सहित यूरोपीय देशों में इस अवधि में हड़ताल सहित विरोध प्रदर्शनों में हजारों की संख्या में आम मजदूरों की भागीदारी तथा WFTU के आह्वान पर रोटी, कपड़ा, मकान, शिक्षा, स्वास्थ्य के बुनियादी मुद्दों पर 3 अक्टूबर के विश्वव्यापी प्रतिरोध दिवस में भी यह अभिव्यक्त हुआ है।

कार्यकारिणी समिति ने इन्हीं नीतियों के क्रियान्वयन के चलते इस दौरान बेलगाम महंगाई, पेट्रोल, डीजल, रसोई गैस की मूल्यवृद्धि, खुदरा में FDI की मंजूरी, सार्वजनिक क्षेत्रों के विनिवेशीकरण, महिलाओं पर बढ़ते अत्याचार, बढ़ती असमानता, गरीबी-अमीरी की बढ़ती खाई से समाज के बहुमत हिस्से की बढ़ती वंचना के खिलाफ यूपीए-2 सरकार के खिलाफ महंगाई पर नियंत्रण, सार्वभौम सार्वजनिक वितरण प्रणाली, विनिवेशीकरण पर रोक, रोजगारोन्मुखी नीति निर्माण, मजदूरों की कंटनी-छंटनी पर रोक, असंगठित श्रमिकों को सामाजिक सुरक्षा, 10,000 रू. न्यूनतम वेतन सहित दस सूत्रीय मांग को लेकर 28 फरवरी 2012 को एक दिवसीय और उसके बाद 20-21 फरवरी 2013 को दो दिवसीय हड़ताल, 18-19 दिसम्बर को मजदूरों के अखिल भारतीय जेल भरो आन्दोलन में लाखों लोगों की गिरफ्तारियां, 20 दिसम्बर 2012 के श्रमिकों के संसद मार्च, 20 सितम्बर 2012 को खुदरा में FDI के खिलाफ आम जनता के अखिल भारतीय बंद/हड़ताल की सफल कार्यवाही और इस दौरान प्रकट हुये जनउभार को आजाद भारत के इतिहास में मेहनतकशों के संघर्ष के एक ऐतिहासिक अध्याय के रूप में स्वीकार करते हुये मध्य क्षेत्र के बीमा कर्मियों को इन कार्यवाहियों को मध्यप्रदेश एवं छत्तीसगढ़ में अभूतपूर्व रूप से सफल बनाने के लिये बीमा कर्मियों का क्रांतिकारी अभिनंदन किया।

कार्यकारिणी समिति ने यह नोट किया कि मध्यक्षेत्र में दोनों ही हड़तालों व उसके पूर्व अभियानों में बीमा कर्मियों ने अगुआ दस्ते की भूमिका अदा की। इस अभियान के तहत मध्यक्षेत्र में कुल 1,82,000 पर्चे वितरित किये गये, 51 नुक्कड़ सभायें हुई, कई जत्थे निकाले गये, 33 स्थान पर मशाल जुलूस, 40 केन्द्रों पर वाहन रैलियां निकला और मध्यप्रदेश व छत्तीसगढ़ के लगभग सभी इकाईयों में हड़ताल के दौरान संयुक्त रैलियां/आमसभायें आयोजित की गई। मध्यप्रदेश में भोपाल, सीहोर, बैतूल सहित कई स्थानों में तो 21 फरवरी को इस हड़ताल ने 'बंद' का रूप भी ले लिया। 20 एवं 21 फरवरी 2013 की हड़ताल में मध्यक्षेत्र में हड़ताल का प्रतिशत 84.63 तथा उस दिन (20 व 21 फरवरी 2013) अनुपस्थिति का प्रतिशत 92.50 रहा। कार्यकारिणी समिति ने इस हड़ताल की ऐतिहासिक सफलता के लिये मध्यक्षेत्र के समस्त साथियों का अभिनंदन करते हुये इस हड़ताल में 93.46 प्रतिशत रायपुर, 91.70 प्रतिशत सतना एवं 91.25 प्रतिशत शहडोल को बेहतरीन प्रदर्शन के लिये इन मंडलों के कर्मचारियों को विशेष रूप से बधाई दी। कार्यकारिणी समिति ने इस शानदार अभियान के लिये सभी साथियों का अभिनंदन करते हुये कमजोरी की भी समीक्षा की तथा आगामी दिनों में उन्हें दूर करने के साथ-साथ इस एकताबद्ध पहल को मजबूत करने के लिये स्वतंत्र अभियान व एकताबद्ध साझा संघर्ष की समझ के अनुरूप असंगठित क्षेत्रों के श्रमिकों को संगठित करने व संयुक्त ट्रेड यूनियनों की एकजुटता को सुदृढ़ करने सतत् रूप से जुटे रहने का आह्वान किया।

1. बीमा कानून संशोधन विधेयक के खिलाफ 22 अप्रेल 2013 को निकलेगा मशाल जुलूस :

कार्यकारिणी समिति ने इस दौरान बीमा कानून संशोधन विधेयक के खिलाफ मध्यक्षेत्र में जारी अभियानों की भी समीक्षा की। जैसा कि आपको विदित है कि संसद की वित्त संबंधी स्थायी समिति की बीमा क्षेत्र में FDI की वर्तमान सीमा को 26 प्रतिशत से बढ़ाकर 49 प्रतिशत किये जाने के सरकारी प्रयासों का सर्वसम्मति से विरोध करते हुये इसे न बढ़ाने अपनी अनुशंसा दी है। किन्तु जनतंत्र विरोधी, साम्राज्यवादपरस्त यूपीए-2 सरकार ने इसे अनसुना कर बीमा कानून संशोधन विधेयक 2008 को बीमा क्षेत्र में FDI की 26 प्रतिशत सीमा को बढ़ाकर 49 प्रतिशत करने, आम बीमा क्षेत्र की सार्वजनिक कंपनियों के शेयरों के

विनिवेशीकरण करने के प्रावधानों के साथ संसद में पेश किया है। कार्यकारिणी समिति ने नोट किया कि मनमोहन सरकार के इन कुचेष्टाओं के खिलाफ मध्यप्रदेश-छत्तीसगढ़ में 53 सांसदों को ज्ञापन सौंपा गया, 6 स्थानों पर कन्वेंशन हुये, 1,40,000 पर्चे वितरित किये गये, कई केन्द्रों में मशाल जुलूस निकाले गये, 39 स्थानों पर नुक्कड़ सभायें की गई। इसके अलावा भाजपा के पूर्व अध्यक्ष नितिन गडकरी, विपक्ष की नेता सुषमा स्वराज सहित सभी राजनैतिक दलों के प्रदेश प्रमुखों व राज्य सरकार के अनेक मंत्रियों को भी ज्ञापन सौंपा गया है। कार्यकारिणी समिति ने इस अभियान को निरन्तर रूप से जारी रखने का आह्वान करते हुये AIIEA सचिव मंडल की रौशनी में सरकार द्वारा बीमा कानून संशोधन विधेयक पारित कराने की कोशिशों के खिलाफ प्रमुख रूप से निम्न निर्णय लिये :-

1. आम बीमा क्षेत्र की सार्वजनिक कंपनियों की विलय की मांग को लेकर 16 अप्रेल को नेशनल/न्यू इंडिया/ओरियेंटल/ यूनाईटेड इंडिया कंपनी के संभागीय मुख्यालयों के सामने आम बीमा कर्मियों के प्रदर्शन को सफल बनाओ।

2. संसद के बजट सत्र के दूसरे चरण के प्रथम दिन 22 अप्रेल 2013 को मध्यक्षेत्र की समस्त इकाईयों में मशाल/ कैंडिल लाईट रैली का आयोजन करो।

3. अपने क्षेत्र के स्थानीय सांसदों को तत्काल मिलकर पुन: ज्ञापन सौंपो व बीमा कानून संशोधन विधेयक के विरोध का आग्रह करो।

4. इसके खिलाफ संसद संत्र के पूर्व राज्य स्तरीय कन्वेशन रायपुर व भोपाल में आयोजित करो।

5. सभी मंडलों/इकाईयों में इस सवाल पर कन्वेंशन/गोष्ठी/ परिचर्चा आयोजित कर उसमें राजनैतिक दलों के प्रमुखों को भी शामिल कर समर्थन हासिल करो। इसमें PFI का भी उपयोग करो।

6. सरकार द्वारा बिल पारित कर लिये जाने की स्थिति में उसके दूसरे दिन ही एक दिवसीय हड़ताल को अभूतपूर्व रूप से सफल बनाने तैयार रहो।

2. मांगपत्र, पेंशन के एक और विकल्प, नियमित अंशकालिक कर्मचारियों के सवाल पर :

कार्यकारिणी समिति ने नियमित अंशकालिक कर्मचारियों को फूल टाईम करने, पेंशन, AIIEA को मान्यता इत्यादि सहित विभिन्न लंबित मुद्दों पर 22 जनवरी 2013 को भोजनावकाश पूर्व एक घण्टे की सफल बहिर्गमन हड़ताल के लिये मध्यक्षेत्र के समस्त बीमा कर्मचारियों को बधाई दी। इस बहिर्गमन हड़ताल में मध्यक्षेत्र में हड़ताल का प्रतिशत 74.58 प्रतिशत तथा उस दिन अनुपस्थिति का प्रतिशत 84.28 प्रतिशत था।

कार्यकारिणी समिति ने AIIEA सचिव मंडल द्वारा कर्मचारियों के मांगपत्र, पेंशन के एक और विकल्प, नई भर्ती के सवाल पर AIIEA सचिव मंडल में लिये गये निर्णयों की रौशनी में AIIEA की समझदारी के अनुरूप संघर्ष के लिये तैयार रहने का आह्वान किया। कार्यकारिणी समिति ने नियमित अंशकालिक कर्मचारियों के अपग्रेडेशन (पार्ट टाईमर साथियों के फूल टाईमर) के मामले में AIIEA के सतत् संघर्षों के चलते इस मामले का मई-जून तक सार्थक समाधान हो जाने की संभावना पर प्रसन्नता जाहिर की तथा इस ऐतिहासिक उपलब्धि के लिये AIIEA को क्रांतिकारी बधाईयां प्रेषित करते हुये समस्त पार्ट टाईमर साथियों को संगठन को और मजबूत बनाने योगदान का आह्वान किया।

3. चतुर्थ क्षेत्रीय महिला सम्मेलन को सफल बनाओ :

कार्यकारिणी समिति ने विभिन्न मंडलों में महिला समिति की गतिविधियों की भी समीक्षा करते हुये 8 मार्च अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस के मौके पर होने वाली सामाजिक गतिविधियों के लिये संबंधित इकाईयों की महिला समिति को बधाई दी। कार्यकारिणी समिति ने (संभावित जुलाई या अगस्त माह में) CZIEA की क्षेत्रीय कामगार महिला सम्मेलन भोपाल में आयोजित करने का निर्णय लिया है। इसकी तिथि का निर्धारण BDIEU के साथ चर्चा कर निर्धारित किया जायेगा।

4. CZIEA का अधिवेशन 20 से 23 अक्टूबर को ग्वालियर में :

कार्यकारिणी समिति ने आगामी 20 से 23 अक्टूबर 2013 को CZIEA का अष्ठम अधिवेशन ग्वालियर में आयोजित करने

का फैसला लिया। ग्वालियर मंडल के समस्त साथी विगत दो वर्षों से इस आयोजन की तैयारी में जुटे हैं। कार्यकारिणी समिति ने GDIEA की अपील पर अन्य मंडलों से भी यथासंभव इस आयोजन को सहयोग करने का आग्रह किया। कार्यकारिणी समिति ने यह भी निर्णय लिया कि यदि मध्यप्रदेश एवं छत्तीसगढ़ में आगामी विधानसभा चुनाव के मद्देनजर उक्त तिथियों को लेकर कोई समस्या उत्पन्न होने पर सचिव मंडल को तदनुरूप उपर्युक्त निर्णय लेने के लिये अधिकृत किया जाये।

5. PFI को पुनर्गठित करो :

कार्यकारिणी समिति ने जहां PFI नहीं है वहां PFI के निर्माण तथा जहां PFI है उसे पुनर्गठित कर सक्रिय करने के निर्णयों के क्रियान्वयन में कमियों की समीक्षा करते हुये इसमें सुधार करने तथा PFI को सक्रिय करने का आह्वान किया।

6. आन्दोलन की खबर, इंश्योरेन्स वर्कर, वार्षिक विवरण :

कार्यकारिणी समिति ने सभी मंडलों में आन्दोलन की खबर, इंश्योरेन्स वर्कर की पाठक संख्या में वृद्धि के प्रयास जारी रखने एवं निर्धारित समय पर उनका नवीनीकरण सुनिश्चित करने का आह्वान किया।

कार्यकारिणी समिति ने वे मंडलीय इकाईयां जिन्होंने अब तक पंजीयक, ट्रेड यूनियन की अपना वार्षिक विवरण नहीं भेजा है तत्काल इसे भिजवाने एवं उसकी एक-एक प्रति AIIEA व CZIEA मुख्यालय को भिजवाने का निर्णय लिया।

7. AIIEA का 23वां महाधिवेशन कामयाब बनाओ :

जैसा कि आपको विदित है AIIEA का 23वां महाधिवेशन 20 से 24 जनवरी 2014 को नागपुर में होने जा रहा है। WZIEA के तत्वावधान में नागपुर के साथी इस आयोजन के लिये पूरी शक्ति से जुटे हैं। कार्यकारिणी समिति ने अपनी परम्परा के अनुरूप नागपुर को इस आयोजन में सम्पूर्ण सहयोग करने का आह्वान करते हुये इस हेतु निम्न अंशदान का लक्ष्य निर्धारित किया :-

मंडल का नाम	निर्धारित लक्ष्य
रायपुर	अधिकतम
बिलासपुर	अधिकतम
भोपाल	1,20,000
जबलपुर	1,20,000
ग्वालियर	1,00,000
इंदौर	1,00,000
शहडोल	50,000
सतना	50,000

8. IEU को असंख्य बधाई :

कार्यकारिणी समिति ने इस बैठक के व्यस्थित व बेहतर आयोजन के लिये इंश्योरेन्स एम्पलाईज एसोसियेशन, इंदौर के समस्त साथियों का क्रांतिकारी अभिनंदन करते हुये IEU के प्रति आभार व्यक्त किया। IEU के साथियों ने अल्पावधि में भी इस बैठक के व्यस्थित आयोजन के जरिये पुन: एक बार अपनी सांगठनिक श्रेष्ठता को प्रमाणित किया है।

साथियों, हमें सम्पूर्ण विश्वास है कि मध्य क्षेत्र के समस्त साथी CZIEA कार्यकारिणी समिति के आह्वानों को पूरी शक्ति व ऊर्जा के साथ सफल बनाने अपनी सक्रिय भूमिका सुनिश्चित करेंगे।

क्रांतिकारी अभिवादन सहित,

आपका साथी

सान्याल

(बी. सान्याल)
महासचिव

परिपत्र क्र. : 02/2013
दिनांक : 16.04.2013

बीमा कानून संशोधन विधेयक वापस लो।

22 अप्रैल 2013 सम्पूर्ण मध्यक्षेत्र की प्रत्येक इकाई में मशाल जुलूस को कामयाब बनाओ।

tô§ý - ¡ÊâwÂÀ âZàÂ¹¦y, yâ-19, ¹ªàâÈ Aâªâ̂Ê, Êâuqâ̂Ê (²¦.ªâ.) ÀÊsàx 2431149